



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 182]

No. 182]

नई दिल्ली, मंगलवार, मई 3, 2005/वैशाख 13, 1927  
NEW DELHI, TUESDAY, MAY 3, 2005/VAISAKHA 13, 1927

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 मई, 2005

सं. 21/2005-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एन.टी.)

सा.का.नि. 268(अ).—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची के अध्याय 52 के अंतर्गत आने वाले प्रसंस्करण के प्रयोजन के लिए एक कारखाने से दूसरे कारखाने को भेजे गए विभिन्न प्रकार के कपास सूत पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 के अधीन उत्पाद शुल्क के उद्ग्रहण (जिसके अंतर्गत उनका उद्ग्रहण न किया जाना भी है) की बाबत एक प्रथा साधारणतः प्रचलन में थी और ऐसा कपास सूत उत्पाद शुल्क के लिए दायी था जिसे 1 जुलाई, 2001 को प्रारंभ होने वाली और 24 मार्च, 2003 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान उक्त प्रथा के अनुसार उद्ग्रहीत नहीं किया जा रहा था।

2. अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 11ग द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निदेश देती है कि उक्त शीर्षक के अधीन आने वाले और प्रसंस्करण के प्रयोजन के लिए एक कारखाने से दूसरे कारखाने को भेजे गए विभिन्न प्रकार के कपास सूत पर संदेय उत्पाद शुल्क किन्तु जिसका संदाय उक्त प्रथा के कारण नहीं किया गया था, ऐसे कपास सूत की बाबत जिस पर उक्त उत्पाद शुल्क उक्त प्रथा के अनुसार पूर्वोक्त अवधि के दौरान उद्ग्रहीत नहीं किया जा रहा था, संदाय किए जाने के लिए अपेक्षित नहीं होगा :

परन्तु इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट छूट केवल उस दशा में लागू होगी यदि प्रसंस्कृत कपास सूत का केन्द्रीय उत्पाद शुल्क विधि के अनुसार लेखा-जोखा दिया गया है और निपटान किया गया है।

[फा. सं. 52/8/2003-सी एक्स-1]

अशोक कुमार, अवर सचिव

**MINISTRY OF FINANCE****(Department of Revenue)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 3rd May, 2005

**No. 21/2005-CENTRAL EXCISE (N.T.)**

**G.S.R. 268(E).**—Whereas the Central Government is satisfied that a practice was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy thereof) under Section 3 of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944) (hereinafter referred to as the said Act), on cotton yarn in various forms falling under Chapter 52 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), removed from one factory to another for the purpose of processing and that such cotton yarn was liable to duty of excise which was not being levied according to the said practice during the period commencing on the 1st July, 2001 and ending with 24th March, 2003.

2. Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 11C of the said Act, the Central Government hereby directs that the duty of excise payable on the said cotton yarn in various forms falling under the said heading, removed from one factory to another for the purpose of further processing, but for the said practice, shall not be required to be paid in respect of such cotton yarn on which the said duty of excise was not being levied during the aforesaid period in accordance with the said practice :

Provided that exemption contained in this notification shall be applicable only if the processed cotton yarn has been accounted for and disposed of in accordance with the Central Excise law.

[F. No. 52/8/2003-CX.I]

ASHOK KUMAR Under Secy.